विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

उनके शहर बनाम हमारे शहर

हमारे देखते-ही-देखते कितना कुछ बदल गया है! एक समय था जब लोग अपना गांव छोड़कर भी बाहर जाने से गुरेज़ करते थे। हर इलाके में इस तरह का सोच चलन में हुआ करता था कि 'गेहूं छोड कर मक्की खाना, लेकिन मेवाड़ (या अन्य कोई भी अपना इलाका) छोड कर कहीं नहीं जाना'। लेकिन हमारे देखते ही देखते दुनिया एक वैश्विक गांव में बदल चुकी है और अपना गांव तो छोड़िये, अपना इलाका, अपना प्रदेश, अपना राज्य, यहां तक कि अपना देश भी छोड़कर लोग अन्यत्र इस सहजता से जाते-आते हैं जैसे एक मोहल्ले से दूसरे मोहल्ले में जा रहे हों। देशों के बीच की सीमाएं अदृश्य नहीं तो शिथिल अवश्य हो गई हैं। लोग केवल पर्यटन के लिए ही नहीं आजीविका के लिए भी एक से दूसरे देश में खुशी-खुशी जाने लगे हैं। स्वाभाविक है कि विकसित देशों की तरफ जाने वालों की संख्या अधिक है, लेकिन बहु राष्ट्रीय निगमों के प्रसार के बाद इसका उलट भी खूब हो रहा है। विकसित देशों में अवस्थित बहु राष्ट्रीय कंपनियां विकासशील और तीसरी दुनिया के देशों में भी अपने कार्मिकों को भेजना ज़रूरी मानने लगी हैं। ऐसे में यह जानने की ज़रूरत भी बहुत तेज़ी से महसूस की जाने लगी है कि अगर हमें अपने देश को छोड़कर किसी अन्य शहर या देश में जाना है तो वहां की जीवन स्थितियां कैसी हैं। नियोक्ता गण भी इस बात का ध्यान रखते हैं और कम सुविधा वाले स्थानों पर अपने कार्मिकों को भेजने के लिए वे उन्हें कुछ अधिक सुविधाएं या वित्तीय संसाधन देकर उन्हें होने वाली असुविधाओं की क्षित पूर्ति करने का प्रयास करते हैं। इस पूरे परिदृश्य में सामने आते हैं वे लोग जो बाकायदा शोध और अध्ययन करके यह बताते हैं कि रहने के लिहाज़ से कौन-सा शहर किसी अन्य शहर की तुलना में बेहतर या बदतर है। ऐसा ही अध्ययन करने वाली एक अठाणी संस्था मर्सर है जो हर बरस अपने क्वालिटी ऑफ लिविंग अर्थात जीवन गुणवत्ता सर्वे के आधार पर एक सूची ज़ारी करती है। इस वर्ष सितम्बर और नवम्बर 2023के बीच किए गए अध्ययन के आधार पर मर्सर ने पांच महाद्वीपों के कुल 241 शहरों का अध्ययन करके एक सूची हाल में ज़ारी की है। यह बात पहले ही स्पष्ट हो जानी चाहिए कि इस सूची में केवल उन शहरों को शामिल किया गया है जिनके बारे में मर्सर के क्लाइण्ट्स ने जानना चाहा था। इसलिए अगर इस सूची में अन्य शहर नहीं हैं तो यह न मान लिया जाए कि उनमें जीवन की गुणवत्ता इन 241 शहरों से खराब है। असल में उनके बारे में विचार ही नहीं गया है।

इसके बावज़ूद यह जानना न केवल रोचक होगा, बल्कि उपयोगी भी होगा कि जीवन गुणवत्ता के इस सर्वे में भारत के किन शहरों को शामिल किया गया है, उनकी रैंकिंग क्या है और यह भी कि दुनिया के वे कौन से शहर हैं जो रैंकिंग में बहुत ऊपर हैं, और अपनी किन सुविधाओं वगैरह की वजह से वे यह बेहतर रैंकिंग हासिल कर सके हैं। यह जानने के बाद हम अपन देश की स्थितियों और यहां नागरिकों को मिल रही सुविधाओं पर भी कुछ विचार कर सकते हैं। तो, सबसे पहले तो यही बात कि इस सूची में भारत के पांच शहर शामिल हैं। इन शहरों के नाम के आगे मैंने इनकी रैंकिंग भी अंकित की है। ये पांच शहर हैं - हैदराबाद (153), पुणे (154), बेंगलुरु (156), चेन्नई (161), मुंबई (164), कोलकाता(170) और नई दिल्ली (172)। प्रसंगवश बताता चलूं कि नई दिल्ली अपनी रैंकिंग सऊदी अरब के रियाद शहर के साथ साझा करती है। अब क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान में हमारी बहुत अधिक रुचि रहती है, यह भी जान लें कि वहां के तीन शहर इस सूची में शामिल हैं - इस्लामाबाद (206), कराची (215), और लाहौर (217)। बांग्लादेश का एक ही शहर इस सूची में है - ढाका (216)। कुछ अन्य शहर जिनकी रैंकिंग के बारे में जानने को हम उत्सुक हो सकते हैं वे हैं - सिंगापुर (29), कुआलालम्पुर (86), शंघाई (109), बैंकॉक (124), बीजिंग (126), जकार्ता (148) और कोलम्बो (178)।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली देश के बहुत कम शहरों में अच्छी स्थिति में है। मुंबई को एक अपवाद माना जा सकता है। नगरीय स्वास्थ्य सेवाएं हर जगह चरमरा रही हैं। कला साहित्य संस्कृति कहीं भी किसी भी सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। पुरा संपदा और सांस्कृतिक वैभव हमारे पास खूब है, लेकिन हमें उसकी सार संभाल में कोई दिलचस्पी नहीं है।

इस सर्वे में जिन दस शहरों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ है उनमें से सात शहर पश्चिमी यूरोप के, 2 पैसिफ़िक के और एक उत्तरी अमरीका का है। यहीं यह भी जान लेना रोचक होगा कि इस सर्वे सूची में अमरीका के 19 और चीन के 13 शहर शामिल हैं। इस सूची में जो शहर पहले दस स्थानों पर हैं वे क्रमश: ये हैं: वियना (ऑस्ट्रिया), ज़्यूरिख़ (स्विटज़रलैण्ड), ऑकलैण्ड (न्यूज़ीलैण्ड), कोपेनहेगन (डेन्मार्क), जेनेवा (स्विटज़रलैण्ड), फ्रैंकफर्ट (जर्मनी), म्यूनिख़ (जर्मनी), वैंकूवर (कनाडा), सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) और डुसेल्डॉर्फ़ (जर्मनी)। यह जानना भी बहुत दिलचस्प होगा कि शीर्ष दस शहरों की इस सूची में संयुक्त राज्य अमरीका का एक भी शहर नहीं है। यही नहीं, इस सूची में अमरीका का एक शहर पहली बार 37 वें नम्बर पर नज़र आता है। शहर है सैन फ्रांसिस्को। और भी अधिक रोचक बात यह है कि इस सूची को तैयार करते समय संयुक्त राज्य अमरीका के न्यूयॉर्क को आधार शहर माना गया है और वही न्यूयॉर्क इस सूची में 40 वें स्थान पर है। कहना अनावश्यक है कि अन्य 39 शहर जीवन गुणवत्ता के मामले में उससे बेहतर पाए गए हैं।

अब पहले हम यह देखते हैं कि जिन शहरों को इस सूची में उच्च स्थान मिला है उनमें खास क्या है! इस सूची में जर्मनी के तीन शहर हैं और उन्हें अपनी आर्थिक समृद्धि, दक्ष सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था और सांस्कृतिक संपन्नता के कारण इतनी बढ़िया रैंकिंग प्रदान की गई है।

कोपेनहेगन को इसलिए सराहा गया है कि यह शहर साइकिल चलाने वालों के लिए बहुत सुरक्षित है और यहां की जीवन पद्धति में संवहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) पर बहुत बल दिया जाता है।

इसके अलावा यहां की हरियाली और उत्कृष्ट स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं ने भी इसे उच्च रैंकिंग दिलवाने में सहायता की है। ऑकलैण्ड का उच्च जीवन स्तर, मज़बूत चिकित्सा व्यवस्था और गतिशील सांस्कृतिक परिवेश बहुत आकर्षक पाया गया तो सिडनी को उसकी आर्थिक संपन्नता के साथ-साथ वैविध्य पूर्ण जीवन शैली और विश्व विख्यात स्मारकों के कारण इतनी ऊंची रैंकिंग हासिल हुई। कुछ बातें जो सब जगह समान पाई गईं, और जिन्होंने रैंकिंग देने वालों को प्रभावित किया, वे थीं राजनीतिक स्थिरता, स्वास्थ्य और शिक्षा की उत्कृष्ट सुविधाएं और सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण।

अब अगर हम इन सब बातों को जानने के बाद अपने देश के शहरों के जीवन पर नज़र डालें तो जो तस्वीर सामने आती है वह बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं है। बेशक आज़ादी के बाद हमने स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं के मामले में काफी लम्बी यात्रा की है लेकिन अभी भी स्थितियां ऐसी नहीं हैं जिन पर हम गर्व कर सकें। इन दोनों में ही निजी क्षेत्र खूब फला-फूला है लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र, जिससे आम आदमी का काम पड़ता है, बदहाली का शिकार है। कभी-कभार बहुत अच्छी शुरुआत होती है लेकिन जल्दी ही वह हांफने भी लग जाती है। दिल्ली में मोहल्ला क्लिनिक और राजस्थान में भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना इस बात के ताज़ा उदाहरण हैं।

अधिकांश शहरों में सरकारी शिक्षण संस्थाएं बदइंतजामी और उपेक्षा की जीती-जागती मिसालें हैं।

सार्वजनिक परिवहन प्रणाली देश के बहुत कम शहरों में अच्छी स्थिति में है। मुंबई को एक अपवाद माना जा सकता है। नगरीय स्वास्थ्य सेवाएं हर जगह चरमरा रही हैं। कला साहित्य संस्कृति कहीं भी किसी भी सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। पुरा संपदा और सांस्कृतिक वैभव हमारे पास खूब है, लेकिन हमें उसकी सार संभाल में कोई दिलचस्पी नहीं है। ऐसे में यह सोचा जा सकता है कि अगर जीवन गुणवत्ता की यह सूची और बड़ी, बहुत बड़ी भी होती तो हमारे शहर इसमें नीचे ही होते।

देखने की बात यह उतनी ज़्यादा नहीं है कि दुनिया के दूसरे देशों से हमारे यहां जो लोग काम करने आते हैं उन्हें हमारे शहर कैसे लगते हैं, देखने की बात यह अधिक है कि हम अपने नागरिकों को कैसा जीवन सुलभ करा रहे हैं। मुझे लगता है कि बहुत बड़ी-बड़ी बातें करने से अधिक अच्छा यह होगा कि हम अपने नागरिकों को स्वास्थ्य और शिक्षा की ज़रूरी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को अपनी प्राथमिकता बनाएं, हम अपनी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मज़बूत बनाएं, हम अपने शहरों के पर्यावरण की रक्षा करें, हम अपने नागरिकों को एक सुरक्षित और निश्चिंत जीवन उपलब्ध कराएं। ये बहुत बड़ी आकांक्षाएं नहीं हैं। इन्हें सुलभ कराने जितने संसाधन भी हमारे पास हैं। कमी है तो प्राथमिकताओं के सही निर्धारण की और फिर उन्हें कार्य रूप में परिणत करने और करते रहने की इच्छा शक्ति की।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

जोधपुर पोलो-2023: पोलो हेरिटेज ने इंडियन नेवी पर जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया

दूसरे मैच में जोधपुर-जयपुर व 61 कैवेलरी-रॉयल इनफील्ड के बीच प्रतिस्पर्धा देखने को मिली

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, एयरफोर्स रोड, पाबूपुरा में चल रहे 24वें जोधपुर पोलो सीजन 2023 में रविवार को एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट के तहत खेले गये सेमीफाइनल मैचों में पहले मैच में पोलो हेरिटेज ने इण्डियन नेवी को साढे पांच के मुकाबले बारह गोल कर साढे छह गोल के अन्तर से हराते हुए फाइनल में जगह बनायी।

वहीं दूसरे मैच में जोधपुर-जयपुर व 61 कैवेलरी-रॉयल इनफील्ड के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। मैच समाप्ति तक दोनों ही टीमों के समान स्कोर सात-सात गोल होने के कारण अतिरिक्त चक्कर का खेल खेला गया जिसमें कैवलरी टीम के मेजर अनन्त राजपुरोहित ने गोल्डन गोल कर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूर्नामेंट का फाइनल मंगलवार को खेला जायेगा।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि दोपहर 2.30 बजे खेले गये पहले सेमीफाइनल मैच में आधे गोल की शुरुआती बढ़त के साथ खेलते हुए इण्डियन नेवी के चार हैण्डीकेप के खिलाड़ी योहान फिलीप ने पहले व तीसरे चक्कर में एक-एक गोल व दूसरे चक्कर में दो गोल किए। साथी खिलाड़ी दो हैण्डीकेप के कैप्टन ए.पी. सिंह ने तीसरे चक्कर में एक गोल किया। चौथे चक्कर में यह टीम कोई गोल नहीं कर पायी। मुकाबले में पोलो हेरिटेज के चार हैण्डीकेप के खिलाड़ी सैय्यद शमशेर अली ने मैच की शुरुआत में ही पहले चक्कर में लगातार चार गोल कर अपनी मंशा जाहिर कर दी थी। सैय्यद ने चौथे चक्कर में भी एक गोल सहित कुल पांच गोल किए। टीम के अन्य खिलाड़ी धनन्जयसिंह राठौड़ व योगेश्वर सिंह ने भी टीम को फाइनल में पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा किया। धनन्जय ने दूसरे, तीसरे व चौथे चक्कर में एक-एक गोल व योगेश्वर ने दूसरे चक्कर में एक व चौथे चक्कर में दो गोल किए।

उन्होंने बताया कि दोपहर 3.30 बजे समान हैण्डीकेप आठ-आठ गोल की टीमों के बीच खेले गये दूसरे सेमीफाइनल मैच में जोधपुर-जयपुर टीम की ओर से खेलते हुए चार हैण्डीकेप के खिलाड़ी सवाई पद्मनाभ सिंह जयपुर ने तीसरे चक्कर में एक गोल, साऊथ अफ्रीका के चार हैण्डीकेप के खिलाड़ी लांस वाटसन ने पहले चक्कर में एक गोल व चौथे चक्कर में दो गोल किए। साथी खिलाड़ी राव हिम्मतसिंह बेदला ने पहले, तीसरे व चौथे चक्कर में एक-एक गोल किया। मुकाबले में 61 कैवेलरी टीम की ओर से तीन हैण्डीकेप के वरिष्ठ खिलाड़ी ध्रुवपाल गोदारा ने विपक्षी टीम को टक्कर देते हुए दूसरे, तीसरे व चौथे चक्कर में दो-दो गोल किए। तीन हैण्डीकेप के साथी खिलाड़ी अंगद कलान ने तीसरे चक्कर में एक गोल किया। मुकाबले में 61 कैवेलरी टीम की ओर से तीन हैण्डीकेप के वरिष्ठ खिलाड़ी ध्रुवपाल गोदारा ने विपक्षी टीम को टक्कर देते हुए दूसरे, तीसरे व चौथे चक्कर में दो-दो गोल किए। तीन हैण्डीकेप के साथी खिलाड़ी अंगद कलान ने तीसरे चक्कर में एक गोल किया। अन्तिम चक्कर तक दोनों टीमों के सात-सात गोल होने के कारण पांचवा अतिरिक्त चक्कर का खेल खेला गया जिसमे कैवेलरी टीम कें अनन्त राजपुरोहित ने गोल्डन गोल कर अपनी टीम का स्थान फाइनल में सुनिश्चित करवाया। मैच की कॉमेन्ट्री ऑस्ट्रेलिया के डेविड विंडसर व राजवी शैलेन्द्रसिंह ने संयुक्त रूप से की। मैच के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्कोर्टीचीनी व दक्षिण अफ्रीका के रोडनी ज्योफरी गुटरिज रहे जबकि रैफरी गोंजालो यजोन थे। मैच के दौरान मेजर जनरल नरपतसिंह राजपुरोहित वीएसएम, कर्नल गिरेन्द्रसिंह, मदनसिंह, राजेन्द्रसिंह, हर्षवर्धनसिंह भांवरी, दिग्विजयसिंह भांवरी, वीर विजयसिंह अनेक देशी-विदेशी पोलो प्रेमी मैदान में उपस्थित थे।

सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि सोमवार 18 दिसम्बर को पोलो ऑफ डे रहेगा। मंगलवार को एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल पोलो हेरिटेज व 61 कैवेलरी के बीच दोपहर तीन बजे खेला जाएगा।

एच.एच. महाराजा ऑफ जोधपुर कप (8 गोल) टूर्नामेंट सेमीफाइनल में मैच हुये।

■ कैवलरी टीम के मेजर अनन्त राजपुरोहित ने गोल्डन गोल कर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया

जैसलमेर में सैलानियों के साथ होने वाली धोखाधड़ी थमने का नाम नहीं ले रही

जैसलमेर, (निसं)। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के जतन कर रहे हैं। दूसरी तरफ जैसलमेर आने वाले देशी-विदेशी सैलानी पग-पग पर धोखे का शिकार हो रहे हैं लेकिन सैलानियों के साथ होने वाली धोखाधड़ी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। पग-पग पर होने वाली ठगी का जिक्र सैलानी सोशल मीडिया पर करते हैं जिससे ठगी की पोस्ट का पूरी दुनिया में प्रचार प्रसार होने से बुरा असर पड़ता है।

जैसलमेर में रेल-बस से पहुंचे चाहे निजी वाहन से, पर्यटक के सामने सबसे बड़ी चुनौती यहां पग रखते ही स्वयं को लूट का शिकार होने से बचाने की रहती है। होटलों और रिसोर्ट्स के लिए काम करने वाले लपके उन्हें सब्जबाग दिखा कर किसी भी तरह भ्रमित करने पर उतारू हो जाते हैं। सबसे पहले उन्हें जैसलमेर में महज 200-300 रुपए में कमरा देने का ऑफर दिया जाता है। फिर बाद में गाड़ी किराया और रिसोर्ट में ठहराने के नाम पर उनकी जेब पर चाकू चला देते हैं। सम में पर्यटकों के साथ सबसे ज्यादा दुर्व्यवहार लपका तत्व करते हैं, जो दामादरा क आग स सड़क क ाकनार खड़े रहते हैं। सैलानियों की गाड़ी देखते ही बाइक पर सवार लपके उनके पीछे लग जाते हैं। किसी भी तरह पर्यटकों को अपने पसंदीदा रिसोर्ट में न जाने के लिए लपके एक तरह से उन्हें मजबूर कर देते हैं।

जैसलमेर और विशेषकर सम में होटल्स व रिसोर्ट्स की फेक आइडी बनाकर ऑनलाइन ठगी भी की जाती है। इस तरह के मामले तो पुलिस तक भी खूब पहुंच चुके हैं लेकिन इस तरह के मामलों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई अब तक नहीं हो सकी है। हैंडीक्राफ्ट का सामान बेचने वाले कुछ तत्वों के लिए तो पर्यटक रातोरात लखपति बनाने की मशीन सी बन जाती है। वे उन्हें अपनी बातों के भ्रमजाल में फंसा कर सामान कई गुना ज्यादा भावों में बेचने से गुरेज नहीं करते।

ठगी से अनजान सैलानियों को धक्का तब पहुंचता है, जब किसी और दुकान या स्थान पर वहीं वस्तु उन्हें कम भाव पर खरीदने के लिए उपलब्ध मिलती है। सैलानियों को जैसलमेर के पर्यटन स्थलों और बाजारों में घूमते समय भिक्षावृत्ति वाली महिलाएं और बच्चे बेजा परेशान करते हैं। दुर्ग ले जाना हो या रेलवे स्टेशन या किसी अन्य ठौर, सैलानियों को कहीं भी लाने-ले जाने के लिए तिपहिया संचालक मनमाने दाम मांगते हैं। आज तक उनकी दर सूची परिवहन विभाग तय नहीं कर पाया है। जैसलमेर के जनप्रतिनिधियों को प्रशासन को समय-समय पर निर्देश दिए जाने चाहिए।

■ पग-पग पर होने वाली ठगी का जिक्र सैलानी सोशल मीडिया पर करते हैं

शिक्षा प्राप्त कर किसी प्रकार का अहंकार नहीं पालना चाहिए : राज्यपाल मिश्र

अजमेर, (कासं)। मयूर स्कूल के 43वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा प्राप्त कर किसी प्रकार का अहंकार नहीं पालना चाहिए। उन्होंने संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया तथा मूल कर्तव्यों की जानकारी दी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा जीवन को गढ़ती है। वही समाज आगे बढ़ता है जो शिक्षा के क्षेत्रा में अग्रणी होता है। शिक्षा की नींव विद्यालय ही तैयार करते हैं। विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने के केन्द्र ही नहीं होते बल्कि हमारे यहां इसे संस्कार निर्माण की पाठशाला से जाना गया है। शिक्षा समस्त प्रकार के बन्धनों से मुक्त कराती है। इसके बहुत गहरे अर्थ है। हम उदात्त जीवन मूल्यों की ओर प्रवृत्त हों। शिक्षा प्राप्त करने के बाद हम उसे पाने का अहंकार नहीं पाले। हम बहुत अच्छा करें परन्तु अपने किए पर कभी अभिमान नहीं करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोच्च है। उसके प्रति हमारे कर्तव्य के लिए सदा प्रतिबद्ध होकर कार्य करने की आवश्यकता है। हम संविधान की संस्कृति से निरन्तर जुडे रहें। भारतीय संविधान अधिकारों और कर्तव्यों का बहुत सुन्दर समन्वय है। भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों का संविधान एक प्रकार से संवाहक है।

उन्होंने कहा कि भारत का संविधान हमारा सर्वोच्च विधान ग्रंथ ही नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्य की उदार दृष्टि का संवाहक है। संविधान निर्माण के पीछे की मूल मानसिकता लोकतन्त्र के मूल्यों में विश्वास जगाती है। संविधान की संस्कृति से सभी नागरिकों का जुड़ाव रहा। राजभवन में संविधान उद्यान का निर्माण करवाया है। संविधान को वहां मूर्तियों और कलात्मक निर्माण में जीवन्त देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा में आर्चाय का स्थान बड़ा ही गौरव का था। उनका बड़ा आदर और सम्मान होता था। आचार्य पारंगत, विद्वान और सदाचारी होते थे। वे विद्यार्थियों के कल्याण के लिए सदा कटिबद्ध रहते थे। शिक्षा में अध्यापक, छात्रों के चरित्रा निर्माण पर सर्वाधिक ध्यान देते थे। विद्यार्थी भी गुरू का सम्मान और उनकी आज्ञा का पालन करते थे। आचार्य का चरण स्पर्श कर दिनचर्या के लिए प्रात:काल ही प्रस्तुत हो जाते थे। उन्होंने कहा कि अध्यापन भी विद्यार्थी के योग्यतानुसार होता था। विषयों को स्मरण रखने के लिए कथा, कहानियों और उद्धरणों से गुरू समझाते थे। आधुनिक संदर्भों में भी शिक्षा की इसी पद्धति पर कार्य करने की आवश्यता है। नई शिक्षा नीति के आलोक में विकसित भारत 2047 के लिए विद्यार्थी तैयार होने के लिए शिक्षण संस्थानों की ही भविष्य में सवाधिक प्रासंगिकता रहनी है।

मयूर स्कूल के 43 वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह के समापन कार्यक्रम में स्कूल के लगभग 200 विद्यार्थियों द्वारा केसेंडो नामक ओर्केस्ट्रा की शानदार प्रस्तुति दी गई जो राग किरवानी में सरगम, बंदिश, तराना एवं गत के माध्यम से बेला सियाओ और सासपुतिन गाने का केसियों आदि विभिन्न वाद्ययंत्रों ने तबला, सिता, हारमोनियम, गिटार, वायलिन, इम, कोंगा, केसियो आदि विभिन्न वाद्ययंत्रों के सुन्दर सामजस्य का परिचय देते हुए एक शानदार प्रस्तुति दी। मयूर स्कूल कमेटी के चैयरमेन ठाकुर सिद्धार्थ सिंह रोहित ने स्वागत भाषण में राज्यपाल कलराज मिश्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय करवाया।

प्राचार्य संजय खाती ने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा कि मयूर स्कूल एक अन्तर्राष्ट्रीय स्कूल की छवि में अपनी अमिट छाप छोड़ने को तैयार है। विद्यालय में आयोजित गतिविधियों ने यहां के विद्यार्थियों को विद्यालय के अतिरिक्त समाज, राष्ट्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक क्षेत्र में सफल प्रदर्शन के लिए तैयार किया है। इस अवसर पर सम्भागीय आयुक्त सी.आर.मीणा, पुलिस महानिरीक्षक लता मनोज कुमार, जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट उपस्थित रहे।

समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने पुरस्कार वितरित किये।

■ अजमेर के मयूर स्कूल के 43वें वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने शिरकत की

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 18 दिसम्बर, 2023

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2080, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 1:22 तक, वज्र योग रात्रि 9:31 तक, तैतिल करण दिन 3:14 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृश्चिक, बुध-धनु, गुरू-मेष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 11:22 तक है। आज श्री राम कलेवा स्कन्द षष्ठी व्रत, पंचक, चम्पा षष्ठी, मित्र सप्तमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 9:31 तक, शुभ 9:48 से 11:06 तक, चर 1:40 से 2:58 तक, लाभ-अमृत 2:58 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 5:32

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित योजना बनेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में आपसी आपसी अनबन होने का भय रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कुंभ

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। बाहर जाना पड़ सकता है।